इन अंतिम दिनों में आपको मसीह की दुल्हन बनने की क्यों कोशिश
करनी चाहिए

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

मसीह के साथ अंतरंगता का आह्वान

ईसाई जीवन केवल यीशु पर विश्वास करने, चर्च में जाने या धार्मिक पहचान रखने तक सीमित नहीं है। यह यीशु मसीह के साथ संधिबद्ध संबंध में प्रवेश करने के बारे में है – जो चर्च के वर हैं।

यूहन्ना 3:29 में यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला कहते हैं:

“जिसके पास दुल्हन है वही वर है। वर का मित्र, जो उसके पास
खड़ा रहता है और उसे सुनता है, वर की आवाज़ पर बहुत प्रसन्न होता है। इस कारण मेरी यह प्रसन्नता पूर्ण हुई है।”

दुल्हन और वर की यह छवि पूरे शास्त्र में प्रयुक्त होती है, जो यह दर्शाती है कि परमेश्वर अपने लोगों के साथ कितनी गहरी, अंतरंग एकता चाहते हैं, और यह एकता मसीह और चर्च के विवाह में पूरी होती है (देखें इफिसियों 5:25–27)।

1. सभी जो विश्वास व्यक्त करते हैं, दुल्हन नहीं हैं

इन अंतिम दिनों में आपको मसीह की दुल्हन बनने की क्यों कोशिश
करनी चाहिए

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

बहुत से लोग मानते हैं कि ईसाई होना स्वतः ही मसीह की दुल्हन होने के बराबर है। लेकिन मत्ती 25:1–13 में दस कुँवारीयों की कहानी गंभीर सत्य दिखाती है। सभी दस वर का इंतजार कर रही थीं, लेकिन केवल पाँच ही विवाह समारोह में गईं:

“और दरवाज़ा बंद कर दिया गया। बाद में बाकी कुँवारियाँ भी
आईं और कहने लगीं: ‘प्रभु, प्रभु, हम पर दरवाज़ा खोलो।’ परंतु उसने उत्तर दिया: ‘सच कहता हूँ, मैं तुम्हें नहीं जानता।’”
(वचन 10b–12)

यहाँ यीशु केवल विश्वासियों और अविश्वासियों के बीच अंतर नहीं कर रहे हैं, बल्कि तैयार और अकुशल लोगों के बीच अंतर बता रहे हैं
– यानी जो पवित्र आत्मा से भरे हुए हैं (तेल) और जो नहीं हैं।

सैद्धांतिक रूप से, यह कहानी केवल नाम के ईसाई और सच्चे ईसाई (जो आज्ञाकारिता और परिवर्तन के द्वारा अपने विश्वास को दिखाते हैं) के बीच अंतर दिखाती है।

2. दुल्हन और गृहमुखी स्त्री के बीच अंतर

बाइबिल के समय, दुल्हन अपने पति के साथ कानूनी संधि में प्रवेश

इन अंतिम दिनों में आपको मसीह की दुल्हन बनने की क्यों कोशिश
करनी चाहिए

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

करती थी और उसके सभी अधिकार होते थे, जिसमें विरासत भी शामिल थी। जबकि गृहमुखी स्त्री को प्रेम मिल सकता था, लेकिन उसका कोई स्थायी अधिकार या संधिबद्ध स्थिति नहीं थी।

यह चर्च में दो प्रकार के लोगों का प्रतीक है:

दुल्हन – वे लोग जो पूरी तरह मसीह को समर्पित हैं, परिवर्तित और शुद्ध हैं, और संधि में जीते हैं (देखें 2 कुरिन्थियों 11:2)।
गृहमुखी स्त्री – वे लोग जो केवल बाहरी धार्मिकता में संतुष्ट हैं लेकिन मसीह के साथ गहरी आत्मीयता या आज्ञाकारिता नहीं रखते।

परमेश्वर अपने लोगों के साथ केवल सतही या दूरस्थ संबंध नहीं चाहते। वे एक दुल्हन चाहते हैं जो उनके हृदय को जानती हो, पवित्रता में चलती हो, और उनकी वापसी के लिए तैयार हो।

3. दुल्हन को मसीह के रहस्य सौंपे जाते हैं

मसीह वचन देते हैं कि वे उन लोगों के साथ अपने राज्य के रहस्यों को साझा करेंगे जो उनके हैं। प्रकाशितवाक्य 10:4 में लिखा है:

“जब सात गरजें बोल रही थीं, मैं लिखने वाला था; तब मैंने
स्वर्ग से एक आवाज़ सुनी कि ‘जो कुछ सात गरजों ने कहा है उसे सील कर दो और लिखो मत।’”

इन अंतिम दिनों में आपको मसीह की दुल्हन बनने की क्यों कोशिश
करनी चाहिए

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

यह बंद संदेश हमें याद दिलाता है कि हर रहस्य सार्वजनिक नहीं होता। कुछ सत्य केवल उनके लिए सुरक्षित रहते हैं जो परमेश्वर के साथ निकटता से चलते हैं (देखें व्यवस्थाविवरण 29:29)।

दुल्हन वह है जिसे मसीह छिपा हुआ मन्ना प्रदान करते हैं (देखें प्रकाशितवाक्य 2:17)।

यूहन्ना 15:15 में यीशु कहते हैं:

“मैं तुम्हें अब सेवक नहीं कहता … बल्कि तुम्हें मित्र कहा, क्योंकि जो कुछ मैंने अपने पिता से सुना है वह सब तुम्हें
बता दिया।”

मसीह की दुल्हन इसी गहन अंतरंगता और विश्वास में चलती है।

4. दुल्हन अपनी धार्मिकता (पवित्रता) से जानी जाती है

सच्ची दुल्हन की पहचान पवित्रता है – यह मांस में पूर्णता नहीं, बल्कि निरंतर समर्पण, पवित्रता और धार्मिकता के फलों के साथ जीवन है।

इन अंतिम दिनों में आपको मसीह की दुल्हन बनने की क्यों कोशिश
करनी चाहिए

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

2 तीमुथियुस 2:19 में लिखा है:

“परन्तु परमेश्वर की अडिग नींव स्थिर रहती है और इस मुहर को धारण करती है: ‘प्रभु अपने लोगों को जानता है,’ और: ‘जो कोई
प्रभु का नाम लेता है वह अधर्म से दूर हो।’”

प्रकाशितवाक्य 19:7–8 में अंतिम एकता का वर्णन है:

“आओ हम खुश हों और आनंदित हों और उसे महिमा दें; क्योंकि मेम्ने का विवाह आ गया, और उसकी दुल्हन ने अपने आप को तैयार कर लिया; उसे सुंदर और शुद्ध कपड़ों में लपेटने का अधिकार मिला – और वह कपड़ा है पवित्रों के धार्मिक कार्य।”

यह धार्मिकता स्वयं से नहीं आती, बल्कि यह पवित्र आत्मा के कार्य का परिणाम है (देखें रोमियों 8:13–14)।

5. अंतिम दिनों में तात्कालिकता

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जब आध्यात्मिक धोखा बढ़ रहा है और

इन अंतिम दिनों में आपको मसीह की दुल्हन बनने की क्यों कोशिश करनी चाहिए

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

दुनिया और चर्च के बीच की रेखा धुंधली हो रही है। यीशु प्रकाशितवाक्य 3:16 में चेतावनी देते हैं:

“क्योंकि तुम उबले हुए हो और न ठंडे न गर्म, मैं तुम्हें
अपने मुंह से बाहर फेंक दूँगा।”

अब पहले से कहीं अधिक, हमें सचेत रहना चाहिए – केवल धार्मिक नहीं, बल्कि वास्तविक रूप से परिवर्तित। दुल्हन को अपनी दीपक को भरा रखना चाहिए (देखें मत्ती 25:4), अपने वस्त्र को शुद्ध रखना चाहिए (देखें प्रकाशितवाक्य 3:4) और अपनी नजरें वर पर केंद्रित करनी चाहिए (देखें इब्रानियों 12:2)।

अपने हृदय को तैयार करो

यदि आप अपने जीवन की समीक्षा करें और पवित्रता, अंतरंगता या दीपक में तेल की कमी देखें, तो अब समय है पश्चाताप करने और पूरी तरह मसीह को खोजने का। कृपा अभी भी उपलब्ध है, लेकिन समय कम है। मसीह दरवाजे पर खड़े हैं।

उन्हें पूरे हृदय से खोजो।
न इनाम के लिए।

इन अंतिम दिनों में आपको मसीह की दुल्हन बनने की क्यों कोशिश करनी चाहिए

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

न पहचान के लिए।
बल्कि इसलिए कि आप उनके बनना चाहते हैं –
सिर्फ शादी में अतिथि नहीं,
बल्कि उनकी दुल्हन उनकी ओर से।

मरानाथा – आओ, प्रभु यीशु।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp